बीम टेक्नोलॉजी और अनेक क्षेत्रों में प्रयोगों की जानकारी दी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

■ यूपीईएस ने 7वीं इंटरनेशनल कांन्फ्रेंस का आयोजन

देहरादून।

मल्टीडिसीप्लीनरी यूनिवर्सिटी यूपीईएस ने इंअर यूनिवर्सिटी एक्सलरेटर सेंटर के साथ मिलकर सातवीं इंटरनेशनल कांन्फ्रेंस ऑन नैनोस्ट्रक्चरिंग बाय आयन बीम्स का आयोजन किया गया, जिसमें बीम टेक्नोलॉजी और उसके अनेक क्षेत्रों में प्रयोगों के बारे में जानकारी दी गयी।

सम्मेलन नैनोटैक्नोलॉजी के क्षेत्र में एडवांस रिसर्च पर केंद्रित विचार विमर्श को बढ़ावा देने के साथ इस क्षेत्र के जाने माने वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों को भी एकजुट करेगा। आईसीएनआईबी 2023 का एजेंडा काफी विस्तृत है। इसमें आयन बीम्स द्वारा नैनोस्ट्रक्चरिंग के क्षेत्र में गहन विचार विमर्श किया गया। इसके साथ ही इसमें नैनोमैटिरियल डेवलपमेंट एंड मोडिफिकेशन में एनर्जेटिक आयन्य की महत्वपूर्ण भूमिकाओं को भी टटोला गया। इसके साथ ही क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों के बारे में इनोवेटिव समाधान भी सुझाए गए। इसके अलावा आयन बीम इंटरेक्शंस, डिफेक्ट इंजीनियरिंग, नैनोस्ट्रैक्चर्स की सिंथेसिस और मोडिफिकेशन आयन बीम इंड्यूस्ड नैनोस्ट्रक्चरिंग सहित कई विषयों पर चर्चा की गयी। इसमें भाग लेने वाले वक्ताओं में अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड और भारत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी प्रो. पैट्रिक क्लूथ, क्योटो यूनिवर्सिटी प्रो.शु सेकी, आईपीआर अहमदाबाद डा.मुकेश रंजन, सर्रे आयन बीम लैबोरेट्री डा.पेंग शामिल थे।

कांफ्रेंस में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि।